“विश्व निवेशक सप्ताह - 2022” के अवसर पर सेबी की अध्यक्ष सुश्री माधबी पुरी बुच का संदेश

किसी भी देश के विकास में जानकार और सशक्त निवेशकों की भूमिका काफी अहम होती है । यही कारण है कि सेबी निवेशक संरक्षण की दिशा में हमेशा ही निवेशकों को जागरूक करने और उन्हें शिक्षित करने के प्रयास में जुटा रहता है ।

आज़ादी के 75 वर्षों का सफर पूरा होने पर भारत में इस वर्ष पूरे जोश के साथ आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है । इन 75 वर्षों में, भारत के प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) में कई मायनों में बड़े बदलाव आए हैं और तो और पूँजी निर्माण भी लगातार बढ़ा है और इस तरह से आर्थिक विकास भी हुआ है ।

यही नहीं, बल्कि बाजारों का भी विकास हुआ है, फिर चाहे हम रोज़ाना होने वाले लेनदेनों की संख्या की बात करें या फिर नए डीमैट और ट्रेडिंग खातों की संख्या की बात करें या फिर म्यूचुअल फंडों आदि में लगातार बढ़ते निवेश की बात करें । ऐसी स्थिति में, यह बेहद जरूरी हो गया है कि निवेशकों को जागरूक करने और उनका संरक्षण करने की दिशा में और कदम उठाए जाएँ ।

सेबी के मुख्य कार्यों में से एक है - निवेशकों के हितों का संरक्षण करना । इस उद्देश्य से, सेबी ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि निवेशकों का भरोसा बाजारों पर कायम रहे । इसी उद्देश्य से, निवेशकों के लिए निवेश करना आसान बनाया गया है । यही नहीं, बल्कि कंपनियों को और जानकारी प्रकट करने को कहा गया है, ताकि बाजारों में और पारदर्शिता आए । इसके अलावा, निवेशकों की शिकायतों के निवारण की व्यवस्था को भी और मजबूत बनाया गया है ।

साथ ही साथ, यह भी जरूरी है कि निवेशक भी निवेश करने से पहले पूरी-पूरी सावधानी बरतें और पूरी जाँच-परख करके ही निवेश करें । उन्हें बाजार में चल रही अफवाहों के आधार पर निवेश नहीं करना चाहिए और उन्हीं मध्यवर्तियों (इंटरमीडियरीज़) के जरिए ही लेनदेन करने चाहिए जो सेबी से रजिस्टर हों । उन्हें निवेश करने से पहले ही यह आकलन करना चाहिए कि आगे चलकर उन्हें कब-कब कितने-कितने पैसों की जरूरत पड़ सकती है और फिर उसी हिसाब से ही उन्हें यह तय करना चाहिए कि निवेश कितना करना है और कहाँ-कहाँ करना है। कुछ मूलभूत बातों का ध्यान निवेशकों को हमेशा ध्यान रखना चाहिए, जैसे कि नियमित रूप से बचत करनी चाहिए और अपना सारा पैसा एक जगह निवेश करने के बजाय अलग-अलग जगह निवेश करना चाहिए ।

यह तो हम सभी जानते हैं कि समय के साथ-साथ बाजारों में भी तकनीक का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है । इसलिए, निवेशकों को यह बात समझनी होगी कि वे पूरी तरह से चौकन्ने रहें और अपनी निजी व वित्तीय जानकारी किसी से साझा करने से पहले पूरी जाँच-परख कर लें और सुरक्षित रहें ।

सेबी निवेशकों में जागरूकता लाने के लिए वित्तीय शिक्षण और निवेशक जागरूकता से संबंधित कई तरह के कार्यक्रम आयोजित करता रहता है । इसी दिशा में, सेबी प्रत्येक वर्ष “विश्व निवेशक सप्ताह” मनाता है । “विश्व निवेशक सप्ताह” की शुरूआत आयस्को ने की है, जिसे अब दुनियाभर में निवेशक, मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) और विनियामक (रेग्यूलटेर) मनाते हैं ।

इस वर्ष हम 10-16 अक्तूबर 2022 के दौरान विश्व निवेशक सप्ताह-2022 मना रहे हैं । विश्व निवेशक सप्ताह-2022 का विषय है : **समझदार निवेशक - पूरी जाँच-परख करके ही निवेश करता है और अपनी सारी पूंजी एक ही जगह नहीं लगाता** । निवेशकों को और जानकार बनने के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से देशभर में तरह-तरह के निवेशक जागरूकता से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। इनमें शामिल हैं - निवेशक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन, मीडिया अभियान, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन, आदि ।

मुझे पूरा यकीन है कि प्रतिभूति बाजारों (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) में निवेश करने वाले निवेशक बाजार के विशेषज्ञों से सीखने के इस अवसर का लाभ उठाएँगे और यह समझ पाएँगे कि निवेश करते समय क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए, और साथ ही यह आकलन करना भी सीख पाएँगे कि कहाँ-कहाँ निवेश करने कर किस-किस तरह के जोखिम हो सकते हैं और कितना-कितना मुनाफा होने की संभावना हो सकती है, हालांकि उन्हें निवेश हमेशा यह ध्यान में रखकर ही करना चाहिए कि उनकी जोखिम उठाने की क्षमता कितनी है । यदि हम निवेश सोच-समझकर करेंगे, एक ही जगह करने के बजाय अलग-अलग जगह करेंगे और लंबे समय के लिए करेंगे, तो इससे हम अपने प्रियजनों की आर्थिक ज़रूरतें भी पूरी कर पाएँगे ।

मैं इस अवसर पर सभी निवेशकों को शुभकामनाएँ देती हूँ ।

माधबी पुरी बुच